कानपुर, शनिवार, 24 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 26, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड भारतीय मूल के शख्स ने की 4 लोगों की हत्यां...>Pg12

सिल्ट सफाई के नाम पर करोड़ों की धांधली...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

अमित शाह ने यूपी विधानसभा चुनाव- 2027 का फूंका बिगुल

गृहमंत्री ने यूपी दिवस के मंच से सपा-बसपा-कांग्रेस पर किया हमला, जातिवाद -परिवारवाद की राजनीति का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लखनऊ में यूपी दिवस समारोह के मंच से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 का औपचारिक शंखनाद कर दिया। अपने जोशीले संबोधन में शाह ने साफ शब्दों में कहा कि उत्तर प्रदेश का समग्र विकास और कल्याण केवल भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। उन्होंने सपा, बसपा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए इन्हें जातिवादी और परिवारवादी राजनीति करने वाली पार्टियां बताया।

अमित शाह ने जनता से आह्वान किया कि 2027 के चुनाव में ऐसी पार्टियों को पूरी तरह खारिज कर एक बार फिर भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को अपराध, अराजकता और पिछड़ेपन से निकालकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है।

'जय श्री राम' के नारों से गूंजा मंचः यूपी दिवस के अवसर पर 24 से 26 जनवरी तक चलने वाले राज्य स्तरीय समारोह के उद्घाटन के लिए अमित शाह लखनऊ पहुंचे थे। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ की और जनता से उत्साहपूर्वक नारे लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनता जा रहा है।

⇨ जनता से 2027 में विपक्ष को पूरी तरह नकारने की अपील, 'एक जनपद, एक व्यंजन' योजना की शुरुआत

- 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के नारों से भाषण की शुरुआत
- यूपी की सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देने के लिए 'एक जनपद, एक व्यंजन (ह्ष्ठह्ष्ट)' योजना का शुभारंभ
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पढ़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश
- डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक ने 2017 की जीत का श्रेय अमित शाह को दिया
- एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला समेत पांच विभूतियों को यूपी गौरव सम्मान से नवाजा गया
- जिलों के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल का निरीक्षण, मथुरा पेड़ा स्टॉल बना चर्चा का केंद्र

'एक जनपद, एक व्यंजन' योजना का शुभारंभ

इसी मंच से अमित शाह ने प्रदेश की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से 'एक जनपद, एक व्यंजन (ODOC)' योजना की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के हर जिले का एक विशिष्ट व्यंजन उसकी पहचान है और इस योजना के जरिए स्थानीय उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही प्रदेश की संस्कृति देश-दुनिया तक पहुंचेगी।

योगी ने पढ़ा पीएम मोदी का संदेश

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़कर सुनाया। उन्होंने कहा कि यूपी दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि प्रदेश की उपलब्धियों और संभावनाओं को देश के सामने प्रस्तुत करने का अवसर है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने 2017 की ऐतिहासिक जीत का श्रेय अमित शाह को देते हुए कहा कि उनके संगठनात्मक कौशल से ही भाजपा ने उत्तर प्रदेश में नया राजनीतिक अध्याय लिखा।

यूपी गौरव सम्मान और सांस्कृतिक छटा

राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित समारोह में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। इस दौरान एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला समेत पांच विशिष्ट विभूतियों को यूपी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। अमित शाह ने विभिन्न जिलों के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल का निरीक्षण भी किया। मथुरा के पेड़े के स्टॉल पर रुककर उनकी मुस्कान और सहज अंदाज लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। कुल मिलाकर यूपी दिवस का मंच राजनीतिक संदेश, सांस्कृतिक गौरव और 2027 के चुनावी संकेतों का केंद्र बनता नजर आया, जहां से भाजपा ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश की सत्ता की दिशा तय करने का संदेश दे दिया।

माघ मेला विवाद पर मायावती का तीखा प्रहार, बोलीं धर्म को राजनीति से दूर रखें

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

Mayawati
@Mayawati
उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी किसी भी धर्म के पर्व, त्योहार, पूजापाठ, स्नान आदि में राजनीतिक लोगों का हस्तक्षेप एवं प्रभाव पिछले कुछ वर्षों से काफी बढ़ गया है, जो नये-नये विवाद, तनाव व संघर्ष आदि का कारण बन रहा है, यह सही नहीं है तथा इन सबको लेकर लोगों में दुख एवं चिन्ता की लहर स्वाभाविक है।

लखनऊ। प्रयागराज में माघ मेला के दौरान गंगा स्नान को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और शासन-प्रशासन के बीच चल रहे विवाद पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कड़ा रुख अपनाया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किए गए अपने विस्तृत बयान में उन्होंने धर्म और राजनीति के बढ़ते घालमेल पर गंभीर चिंता जताते हुए इसे संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ का नतीजा करार दिया।

मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के कई राज्यों में बीते कुछ वर्षों से धार्मिक पर्वों, त्योहारों, पूजा-पाठ और स्नान जैसे आयोजनों में राजनीतिक हस्तक्षेप लगातार बढ़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे हस्तक्षेपों के कारण नए-नए विवाद, तनाव और टकराव की स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं, जो समाज और लोकतंत्र दोनों के लिए घातक हैं। बसपा सुप्रीमो ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रयागराज में गंगा स्नान को लेकर चल रहा विवाद इस बात का ताजा उदाहरण है कि जब धर्म को राजनीति से जोड़ा जाता है, तो अनावश्यक आरोप-प्रत्यारोप, टकराव और अनादर की स्थिति पैदा होती है। उन्होंने कहा कि धर्म को राजनीति से जोड़ने में हमेशा खतरे निहित रहते हैं और इससे हर हाल में बचा जाना चाहिए।

मायावती ने राजनेताओं को उनके संवैधानिक दायित्वों की याद दिलाते हुए कहा कि भारत का संविधान और कानून जनहित व जनकल्याण को ही वास्तविक 'राष्ट्रीय धर्म' मानते हैं। राजनीति का उद्देश्य समाज में सौहार्द, शांति और विकास सुनिश्चित करना होना चाहिए, न कि धार्मिक भावनाओं का राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग। अपने बयान के अंत में बसपा प्रमुख ने अपील की कि प्रयागराज माघ मेला से जुड़ा यह 'कड़वा विवाद' आपसी संवाद और सहमति के माध्यम से जल्द सुलझाया जाए, ताकि श्रद्धालुओं की आस्था और सामाजिक सौहार्द दोनों सुरक्षित रह सकें।

गिनती न लिख पाने पर हैवान बना पिता 4 साल की बेटी को पीट-पीटकर मार डाला

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

⇨ फरीदाबाद में बेलन से बेरहमी से पिटाई, अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद से इंसानियत को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पिता ने अपनी साढ़े चार साल की बेटी को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया क्योंकि वह 1 से 50 तक की गिनती सही से नहीं लिख पाई। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र के झाड़सेंतली गांव में रहने वाले कृष्णा जायसवाल ने गुस्से में आकर बेलन से बच्ची को इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी जान चली गई। शुक्रवार को पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया।

घटना उस समय हुई जब आरोपी घर पर बच्ची को पढ़ा रहा था। बच्ची वंशिका 50 तक उल्टी गिनती लिखने में बार-बार गलती कर रही थी। इससे झल्लाए पिता ने आपा खो दिया और बेलन से उसकी पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के दौरान बच्ची बेहोश हो गई। घबराकर आरोपी उसे बीके अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामले को दबाने के लिए पिता ने पत्नी को फोन कर बताया कि बच्ची सीढ़ियों से गिर गई है। जब मां अस्पताल पहुंची तो बेटी के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान देखकर उसे शक हुआ। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। जांच में सच सामने आया और पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

शुल्क नियामक समिति ने 2026-27 के लिए तय किए फीस वसूली के नियम

नियम उल्लंघन पर 1 से 5 लाख रुपये तक जुर्माना, मान्यता समाप्त करने की संस्तुति भी

- » सत्र से 60 दिन पहले वेबसाइट और सूचना पट्ट पर फीस सार्वजनिक करना अनिवार्य
- » किताब, यूनिफॉर्म, जूते-मोजे किसी तय दुकान से खरीदने की बाध्यता नहीं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। निजी स्ववित्तपोषित विद्यालयों में फीस और शैक्षणिक सामग्री के नाम पर अभिभावकों पर बढ़ते आर्थिक बोझ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र (शुल्क निर्धारण) अध्यादेशङ्ग2018 के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिक वसूली गई फीस की वापसी के साथ भारी जुर्माना और बार-बार उल्लंघन पर मान्यता समाप्त कराने तक की संस्तुति की जाएगी।

सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार परिसर में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि अभिभावकों का आर्थिक शोषण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा और सभी विद्यालयों को फीस से जुड़े नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा।उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व आगामी वर्ष की फीस का पूरा विवरण सक्षम अधिकारी को उपलब्ध कराए तथा प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से कम से कम 60 दिन पहले अपनी वेबसाइट और विद्यालय के सूचना पट्ट पर इसे सार्वजनिक करे। निर्धारित शुल्क से अधिक एक भी रुपया लेना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी छात्र या अभिभावक को किताब, कॉपी, यूनिफॉर्म, जूते या मोजे किसी विशेष दुकान से खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। ऐसा करना गंभीर उल्लंघन होगा। साथ ही निर्देश दिए गए कि एक बार निर्धारित की गई यूनिफॉर्म को कम से कम 5 वर्षों तक बदला नहीं जाएगा।बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रवेश शुल्क केवल नए प्रवेश के समय एक बार ही लिया जाएगा तथा परीक्षा शुल्क सिर्फ परीक्षा आयोजन के लिए ही वसूला जाएगा। विद्यालयों को प्रत्येक मद की फीस की रसीद देना अनिवार्य होगा और निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त कोई अन्य शुल्क नहीं लिया जा सकेगा।शिकायत निस्तारण व्यवस्था को लेकर निर्देश दिए गए कि पहले शिकायत का समाधान विद्यालय स्तर पर तय समय में कराया जाए। 15 दिन के भीतर समाधान न होने पर मामला जिला शुल्क नियामक समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा और जिम्मेदारी तय की जाएगी।जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि यदि कोई विद्यालय निर्धारित नियमों से अधिक शुल्क वसूलता है या किसी विशेष दुकान से सामग्री खरीदने के लिए बाध्य करता पाया गया तो पहली बार उल्लंघन पर अतिरिक्त वसूली गई फीस वापस कराने के साथ 1 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। दूसरी बार उल्लंघन पर यह जुर्माना 5 लाख रुपये तक होगा और तीसरी बार उल्लंघन की स्थिति में संबंधित बोर्ड से मान्यता अथवा संबद्धता समाप्त करने की संस्तुति की जाएगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार राय, चार्टर्ड एकाउंटेंट सुधीर चौधरी, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग अनिल कुमार, वित एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा शिशिर जायसवाल सहित सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड के प्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंधक और अभिभावक संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हवाई हमले की मॉक ड्रिल, 30 मिनट रहा ब्लैकआउट

सायरन बजते ही सुरक्षित स्थानों की ओर भागे लोग, आग व घायलों के रेस्क्यू का किया गया अभ्यास

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।शुक्रवार शाम ठीक 6 बजे जीआईसी चुन्नीगंज ग्राउंड में अचानक तेज धमाकों की आवाज के साथ चेतावनी सायरन बज उठा। सायरन सुनते ही आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई और लोग खुले स्थान छोड़कर सुरक्षित ठिकानों की ओर दौड़ पड़े। दरअसल यह हवाई हमले की स्थिति से निपटने के लिए की गई मॉक ड्रिल थी, जिसके तहत करीब 30 मिनट तक शहर के कई इलाकों में पूर्ण ब्लैकआउट रखा गया।मॉक ड्रिल के दौरान कर्नलगंज, ग्वालटोली, नई सड़क, साइकिल मार्केट, यतीमखाना, बेकनगंज, तलाक महल, परेड, पीपीएन मार्केट समेत अन्य क्षेत्रों की बिजली 30 मिनट के लिए काट दी गई। अंधेरे के बीच आग लगने, लोगों के घायल होने और राहत-बचाव कार्यों का वास्तविक परिस्थितियों जैसा अभ्यास किया गया।

चेतावनी सायरन से दिया गया हवाई हमले का संकेत

हवाई हमले की स्थिति को दर्शाने के लिए तीव्र ध्वनि वाला चेतावनी सायरन विशेष लय में बजाया गया। सायरन की आवाज पहले धीरे-धीरे तेज हुई और फिर क्रमशः धीमी होती गई। इसका उद्देश्य नागरिकों को सायरन की पहचान कर तुरंत सतर्क होने और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए प्रशिक्षित करना था।

जिलाधिकारी जेपी सिंह ने बताया कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों, विशेषकर हवाई हमले जैसी स्थिति में प्रशासनिक तंत्र की तैयारियों की जांच करना और आम नागरिकों को सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को हर समय सतर्क और सक्षम रखना आवश्यक है। शांति काल में की गई तैयारी ही संकट के समय जनहानि को न्यूनतम करती है।

ब्लैकआउट में दिखाया गया व्यावहारिक प्रदर्शन

सायं 6:30 बजे जीआईसी चुन्नीगंज ग्राउंड में ब्लैकआउट कर हवाई हमले के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों का लाइव प्रदर्शन किया गया। इसमें हमले के समय सुरक्षित रहने के तरीके, नागरिकों को शेल्टर होम तक सुरक्षित पहुंचाना, आग पर नियंत्रण, घायलों को प्राथमिक उपचार देना तथा एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया।

कई विभागों की रही सक्रिय भागीदारी

मॉक ड्रिल में अपर जिलाधिकारी नगर राजेश कुमार, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, होमगार्ड, विद्युत विभाग तथा एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे। कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा कानपुर नगर के उपनियंत्रक शिवराज सिंह, सहायक उपनियंत्रक विष्णु कुमार शर्मा, विमलेश कुमार यादव, मुकेश कुमार, प्रभारी सहायक उपनियंत्रक प्रवीण कुमार वर्मा सहित समस्त स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही।

सिंचाई विभाग में सिल्ट सफाई के नाम पर करोड़ों की धांधली

दक्षिण कानपुर के दादा नगर हलवाखांडा नहर की सिल्ट सफाई के ठेके में बड़ी धांधली

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रदेश सरकार जहां भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था की बात कर रही है, वहीं सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग निचली गंगा नहर प्रखंड, कानपुर में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। नहरों की वार्षिक सफाई के लिए हर साल करोड़ों रुपए स्वीकृत किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2026 में कानपुर सिटी से होकर निकली हलवा खांडा नहर लगभग 14 किलोमीटर लंबी नहर की सफाई होनी थी, लेकिन बताया जा रहा है मात्र 2 किलोमीटर क्षेत्र में ही आंशिक सफाई कराई गई। शेष हिस्से में नहर में गंदगी, कूड़ा-कचरा और भारी मात्रा में जलकुंभी जमी हुई है, जिससे पानी का बहाव अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पा रहा है।

- सिंचाई विभाग के अभियंता–ठेकेदार सिंडिकेट पर गंभीर आरोप
- सिल्ट सफाई के बिना ही रात में छोड़ दिया नहर में पानी

आरोप है कि सफाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकताएं पूरी की गईं। दिन में नाममात्र मजदूर लगाकर काम कराया गया और फोटोग्राफी कराई गई, जबकि वास्तविक सफाई नहीं हुई। विभागीय सूत्रों के अनुसार कई स्थानों पर पुलों के नीचे की सफाई भी पेटी ठेकेदारी के माध्यम से कागजों में ही दिखाई गई।

सफाई कार्य का ठेका उदय राज फर्म के नाम से नौरैया खेड़ा से साइड 5 तक था, लेकिन बीच में ही कार्य बंद कर दिया गया। इसके बाद अधिकारियों द्वारा हरिशंकर नामक पेटी ठेकेदार को काम सौंपा गया, जिसने सीटीआई तक कार्य करने के बाद आगे सफाई नहीं कराई।

आरोप है कि 23 जनवरी 2026 की रात लगभग 8ः00 बजे, अधिकारियों के निर्देश पर पेटी ठेकेदार हरिशंकर तथा विभागीय कर्मचारियों विपिन, उमाशंकर पाल और पिंकी द्वारा बिना पूरी सफाई कराए ही नहर का पानी खोल दिया गया। इससे नहर में जमा गंदगी और जलकुंभी के कारण पानी का प्रवाह बाधित हो गया।

स्थानीय किसानों का कहना है कि अधूरी सफाई के कारण नहर पूरी क्षमता से संचालित नहीं हो पा रही है, जिससे एक बार फिर फसलों को समय पर पानी नहीं मिलेगा। वहीं दूसरी ओर, यदि पूरी क्षमता से पानी छोड़ा गया तो ओवरफ्लो होकर आसपास की बस्तियों में जलभराव की आशंका भी बनी हुई है।

मामले में यह भी आरोप है कि अभियंता, मुख्य ठेकेदार और पेटी ठेकेदारों के गठजोड़ ने लाखों रुपए की राशि

आपस में बांट ली। इस पूरे प्रकरण की जानकारी उच्च अधिकारियों और शासन स्तर तक भेजे जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

लोक विकास मंडल से जुड़े दीनानाथ, सीताराम ठाकुर, अमन सोनकर और सुरेश जयसवाल सहित अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री और सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

अब देखने वाली बात यह होगी कि सिंचाई विभाग में सामने आए इस कथित भ्रष्टाचार और अभियंता-ठेकेदार सिंडिकेट पर शासन क्या कदम उठाता है।

इस संबंध में सिंचाई विभाग के। अधिशाषी अभियंता महेंद्र कुमार सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

छात्रों की आत्महत्या पर आईआईटी कानपुर मौन!

घोषणात्मक दावों पर याची के काउंटर सवालों पर आईआईटी ने नहीं दिया जवाब , डीएसटी बोला यह मामला उसके अधीन नही

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

नई दिल्ली / कानपुर। आईआईटी कानपुर की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा देखिये कि दो दशकों से लगातार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं कैम्पस में घटित हो रही हैं,लेकिन लगातार आईआईटी अपनी जवाबदेही से किनारा करता नज़र आता है। हद तो ये है कि नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन की कोर्ट में भी छात्रों की आत्महत्या रोकने के खोखले दावे करता है और घटनाओं की पुर्नावृति आईआईटी के खोखले दावों की पोल खोल देतीं हैं। संवेदनहीनता की हद देखिये एनएचआरसी ने जिम्मेदारों को तलब कर जवाब माँगा तो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईआईटी में हो रहीं आत्महत्या के मामलों पर यह कहते हुए मना कर दिया है आईआईटी का मामला हायर एजुकेशन विभाग के अधीन है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आईआईटी में पिछले लगभग दो दशकों में हुई आत्महत्या की घटनाओं सहित बीते 2024 के अंतिम माह और जनवरी 2024 के बीच 30 दिनों में 3 छात्रों द्वारा की गई आत्महत्या के मामले में कानपुर के केशवपुरम निवासी सोशल एक्टिविस्ट और पेशे से इंजीनियर पंकज कुमार सिंह ने एनएचआरसी में रिट दाखिल की गई थी जिसपर माह सितम्बर वर्ष 2024 से एनएचआरसी कोर्ट में सुनवाई चल रही है। एनएचआरसी ने 09 सितम्बर 2024 कार्रवाई

- डीएसटी ने किया किनारा, हायर एजुकेशन विभाग के पाले में जिम्मेदारी
- केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने हायर एजुकेशन विभाग से मांगा आत्महत्या के लिए जवाब, नोटिस जारी

करते हुए को सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एन्ड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) और आईआईटी निदेशक से जवाब मांगा था।

16 मई 2025 को आईआईटी के निदेशक और सचिव डीएसटी से याची की शिकायत पर टिप्पणियां दाखिल करने को लेकर नोटिस भी जारी किया था आईआईटी कानपुर द्वारा संस्थान में छात्रों द्वारा आत्महत्या की रोकथाम के उपाय और इसके तहत कार्यक्रमों पर जवाब पेश किया था जिसपर याची पंकज कुमार सिंह ने काउंटर फ़ाइल करते हुए यह करकर आईआईटी के जवाब पर अपनी टिप्पणियां दाखिल कीं और आपत्ति जताई कि दावे मुख्यतः नीतिगत व घोषणात्मक है, जो वास्तविक ग्राउंड रियलिटी से मेल नहीं खाते है। 15 दिसंबर2025 को याची पंकज सिंह की टिप्पणियों पर एनएचआरसी ने आईआईटी निदेशक सहित डीएसटी सचिव को चार हफ्तों में जवाब पेश करने का आदेश देते हुए 22 जनवरी 2026 को तलब किया था। मिली जानकारी में डीएसटी के डिप्टी सेक्रेटरी अनिल कुमार पांडेय की ओर से जवाब

स्वराज इंडिया | कानपुर सिटी

आईआईटी कानपुर: दो साल में आठ जिंदगी खत्म, कैसे हो रही छात्रों की काउंसिलिंग ?

मेधाओं का संस्थान या 'डेथ पॉइंट'?

मानसिक स्वास्थ्य पर संस्थान के दावों के बावजूद नहीं थम रहीं घटनाएं, पुलिस-प्रशासन जांच में जुटा

स्वराज इंडिया | कानपुर | 03

दो साल में 9वीं आत्महत्या, पीएचडी शोधार्थी ईश्वराम की मौत से फिर उठे सवाल

स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबरें

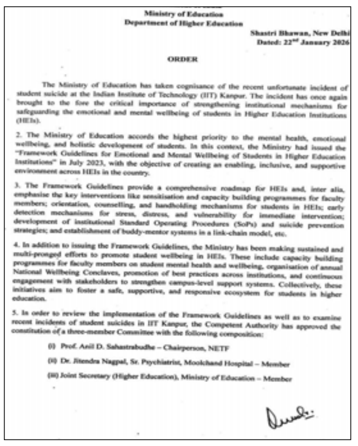

Ministry of Education
Department of Higher Education

Shastri Bhawan, New Delhi
Dated: 22nd January 2026

ORDER

The Ministry of Education has taken cognisance of the recent unfortunate incident of student suicide at the Indian Institute of Technology (IIT) Kanpur. The incident has once again brought to the fore the critical importance of strengthening institutional mechanisms for safeguarding the emotional and mental wellbeing of students in Higher Education Institutions (HEIs).

2. The Ministry of Education accords the highest priority to the mental health, emotional wellbeing, and holistic development of students. In this context, the Ministry had issued the "Framework Guidelines for Emotional and Mental Wellbeing of Students in Higher Education Institutions" in July 2023, with the objective of creating an enabling, inclusive, and supportive environment across HEIs in the country.

3. The Framework Guidelines provide a comprehensive roadmap for HEIs and, inter alia, emphasise the key interventions like sensitisation and capacity building programmes for faculty members; orientation, counselling, and handholding mechanisms for students in HEIs; early detection mechanisms for stress, distress, and vulnerability for immediate intervention; development of institutional Standard Operating Procedures (SoPs) and suicide prevention strategies; and establishment of buddy-mentor systems in a link-chain model, etc.

4. In addition to issuing the Framework Guidelines, the Ministry has been making sustained and multi-pronged efforts to promote student wellbeing in HEIs. These include capacity building programmes for faculty members on student mental health and wellbeing, organisation of annual National Wellbeing Conclaves, promotion of best practices across institutions, and continuous engagement with stakeholders to strengthen campus-level support systems. Collectively, these initiatives aim to foster a safe, supportive, and responsive ecosystem for students in higher education.

5. In order to review the implementation of the Framework Guidelines as well as to examine recent incidents of student suicides in IIT Kanpur, the Competent Authority has approved the constitution of a three-member Committee with the following composition:

(i) Prof. Anil D. Sahastrabudhe – Chairperson, NETF

(ii) Dr. Jitendra Nagpal, Sr. Psychiatrist, Moolchand Hospital – Member

(iii) Joint Secretary (Higher Education), Ministry of Education – Member

दाखिल किया गया कि आईआईटी का मामला हायर एजुकेशन विभाग के अधीन है। जिसे हायर एजुकेशन विभाग टेक्नीकल एजुकेशन की संयुक्त सचिव सौम्या गुप्ता को स्थानांतरित कर दिया। आईआईटी की ओर से कोई जवाब प्रकाश में नहीं आया है। आयोग की ओर से अभी सुनवाई की तिथि लंबित है। मां

शिक्षा मंत्रालय ने उठाए कदम, बनाई जांच कमेटी

आईआईटी केम्पस में आत्महत्या की घटनाओं को रोकने और जाँच के लिए याची पंकज कुमार सिंह की मेहनत का असर दिखना शुरू हो गया है। एनएचआरसी कोर्ट के तीखे तेवरों के चलते शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के हायर एजुकेशन विभाग ने तीन सदस्यों वाली एक कमेटी गठित की है। जो नेशनल एजुकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी फ़ोरम के अध्यक्ष अनिल सहस्त्रबुद्धे की अध्यक्षता में जाँच करेगी। समिति इसकी भी समीक्षा करेगी कि आत्महत्या की घटनाओं को रोकने में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक पहलुओं पर जारी दिशा निर्देशों को अमल में लाया गया कि नहीं। ये दिशा निर्देश जुलाई 2023 में जारी किये गए थे। आईआईटी ग्लोबल एलुमनाई ग्रुप की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2021 से दिसंबर 2025 तक देश के विभिन्न आईआईटी कैम्पस में 65 छात्रों ने आत्महत्या की है। इनको देखते हुए संस्थानों की जिम्मेदारी और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

पराक्रम दिवस पर संगोष्ठी, युवाओं को बताया राष्ट्र निर्माण की धुरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, कानपुर पूर्व जिले की ओर से शुक्रवार को जवाहर नवोदय विद्यालय सरसौल में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर पराक्रम दिवस के अवसर पर आज का युवा-आज का भारत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, शिक्षा का सामाजिक दायित्व और सांस्कृतिक मूल्यों पर विस्तार से विचार रखे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कानपुर प्रान्त के प्रांत मंत्री दिनेश यादव ने कहा कि आज का युवा ही भारत के भविष्य का शिल्पकार है।

उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और नैतिक चेतना के बल पर भारत वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है। युवा केवल भविष्य नहीं बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि विद्यार्थी शिक्षा को राष्ट्र और समाज से जोड़कर आगे बढ़ें तो भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनने से कोई नहीं रोक सकता।दिनेश यादव ने आत्मनिर्भरता, अनुशासन, सेवा भावना और राष्ट्रीय चेतना पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं को केवल करियर तक सीमित न रहकर समाज के प्रति अपने दायित्वों को भी समझना चाहिए।उन्होंने परिषद की छात्र हितैषी और राष्ट्रवादी विचारधारा की जानकारी भी दी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य अनुभव चक और जिला प्रमुख अनुपमा गुप्ता उपस्थित रहे। उन्होंने हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति और मूल्यों की महता बताते हुए कहा कि अपनी भाषा और संस्कृति से जुड़कर ही युवा अपनी पहचान को मजबूत बना सकते हैं।

कार्यक्रम में परिषद के महानगर मंत्री सुधांशु त्रिपाठी, संगठन मंत्री अर्जुन, जिला संयोजक एल्विन ज्यूड सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने संगठन की गतिविधियों और छात्र हित में किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे।

विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम को बढ़ावा देते हैं। उप-प्राचार्य सुभाष सेठ, शिक्षक नदीम खान, चंद्रशेखर सिंह सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने अतिथियों से संवाद किया। कार्यक्रम को लेकर छात्रों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

छह माह से नालियां साफ नहीं, सनाया खेड़ा में नारकीय हालात से ग्रामीण बेहाल

मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडराया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड अंतर्गत सनाया खेड़ा मजरा जोरावरपुर गांव में नालियों की स्थिति बेहद दयनीय बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार बीते छह महीनों से नालियों की सफाई नहीं कराई गई है, जिससे गांव में जगह-जगह जलभराव, गंदगी और दुर्गंध फैल गई है। जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बरसात के मौसम में हालात और भी खराब हो जाते हैं, बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीण श्याम बाबू, पप्पू, मलखान, राजन, सूरज और राजनरायन ने बताया कि सफाई न होने से गांव में नारकीय स्थिति बन गई है। चारों ओर गंदगी और बदबू के कारण लोगों का जीना दूभर हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। इस संबंध में जब ग्राम प्रधान संगीता दिवाकर के प्रतिनिधि एवं उनके पति ने बताया कि यह समस्या उनके संज्ञान में नहीं थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही गांव की नालियों की सफाई कराई जाएगी।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था व सेहत पर घातक असर

दावोस में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा के दौरान यह बात शिद्दत से उठी कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अकसर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है। चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है। फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं। वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है। इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है। निस्संदेह, निवेशक के मन में भय होता है कि यदि वह इसी प्रदूषित वातावरण में रहता है तो यह उसके लिये यह घातक हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण की भयावह स्थिति दुनिया में किसी भी देश की छवि को नुकसान जरूर पहुंचाती है। ऐसे में प्रदूषण के संकट को युद्धस्तर पर निपटाने की जरूरत महसूस की जा रही है। निस्संदेह, भारत में प्रदूषण का संकट एक यथार्थ है। यह भी हकीकत है कि देश के नीति-नियंता प्रदूषण संकट के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आते। जब-जब प्रदूषण संकट गहराता है तो आग लगने पर कुआं खोदने की कवायद की जाती है। कोर्ट की फटकार व नियामक एजेंसियों की सख्ती के बाद शासन-प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन गीता गोपीनाथ के तर्कों के कुछ अर्धसत्य भी हैं। इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली वैश्विक एजेंसियां विकासशील देशों को लेकर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रतीक-प्रतिमान गढ़ती रही हैं। आईएमएफ जैसी संस्थाओं को अमेरिकी कूटनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यहां तक कि इन संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे भारतीय अधिकारी भी अमेरिका के सुरों में गाते नजर आते हैं। सवाल गोपीनाथ के बयान के समय का भी है जब अमेरिका न केवल भारत पर अन्यायपूर्ण टैरिफ लगा रहा है बल्कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को भी अपनी शर्तों के अनुरूप अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहा है। बहरहाल, इसके बावजूद यह एक हकीकत है कि हमारे देश में प्रदूषण संकट बड़ा है, जिसे देश के नीति-नियंता गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जिसके चलते करोड़ों भारतीयों को अपनी जमा-पूंजी अपने व परिवार के उपचार में खर्च करनी पड़ती है। निस्संदेह, प्रदूषण के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्रवाई करने की जरूरत है। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कानूनों को सरल बनाने की भी जरूरत है ताकि उन पर अमल आसानी से हो सके। इसके अलावा लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि देश की आबोहवा सुधारने के लिये उन्हें भी कुछ त्याग करने होंगे।

उन्हें अपनी विलसिता की जीवन शैली में बदलाव लाकर आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुधारना होगा। निश्चित रूप से प्रदूषण को आर्थिक चुनौती के रूप में भी देखने की जरूरत है। खासकर जब भारत खुद को वैश्विक आर्थिक और विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिये प्रयासरत है। हमारा मकसद हो कि हमारे शहर स्वच्छ रहें और नागरिकों के लिये जीवन परिस्थितियां स्वास्थ्य के अनुकूल हों।वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है।

दुनिया को गुमराह ही किया दावोस में ट्रम्प ने

निरंजन ज्योति

दावोस में ट्रंप ने एक घंटे से ज़्यादा लंबा भाषण दिया। ट्रंप ने कई ऐसे दावे किए, जो या तो झूठे थे, या गुमराह करने वाले। स्वि ट्ज़रलैंड के दावोस में 19 जनवरी से आरम्भ वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की... दावोस में ट्रंप ने एक घंटे से ज़्यादा लंबा भाषण दिया। ट्रंप ने कई ऐसे दावे किए, जो या तो झूठे थे, या गुमराह करने वाले। स्वि ट्ज़रलैंड के दावोस में 19 जनवरी से आरम्भ वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक का समापन 23 जनवरी को हो चुका है। वहां ट्रम्प गए, पीएम मोदी उनसे रूबरू होने नहीं गए। इस बार की वार्षिक बैठक का थीम, 'ए स्पिरिट ऑफ डायलॉग' रखा गया है। लेकिन इस डायलॉग का क्या हासिल हुआ? जो बिज़नेस लीडर, नेता-नौकरशाह-अर्थशास्त्री-मीडियाकर्मी यहां आये, उससे उनके देशों या दुनिया को क्या लाभ मिला? इस बात पर कम ही बहस होती है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) एक अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंक है, जो वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शासन प्रमुखों, बिजनेस लीडर्स, नीति निर्माताओं और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाता है।

डब्ल्यूईएफ का मुख्यालय जेनेवा के कोलोग्नी में स्थित है। इसकी स्थापना 24 जनवरी, 1971 को जर्मन मूल के क्लाउस श्वाब द्वारा की गई थी, जो जेनेवा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे। इसके संस्थापक क्लाउस श्वाब, दशकों तक इसके अध्यक्ष बने रहे। श्वाब ने अप्रैल 2025 में प्रबंधन पर उठे सवाल, और आंतरिक जांच के बीच अध्यक्ष पद छोड़ दिया था। जांच में श्वाब और उनकी पत्नी को क्लीन चिट मिली, लेकिन श्वाब ने यह कहते हुए दोबारा ज्वाइन करने से मना किया, कि डब्ल्यूईएफ में वातावरण विषाक्त हो चुका है। रफ्ता-रफ्ता वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की गंभीरता कम होती जा रही है। बल्कि, इसे 'हाई-प्रोफ़ाइल पिकनिक स्पॉट' की नज़रों से देखा जाने लगा है। आलोचकों का तर्क यह भी है, कि यह मंच, धनी देशों और बड़ी कंपनियों को विशेषाधिकार देता है। अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक सैमुअल पी. हंटिंगटन ने इस मंच को 'अभिजात वर्ग के लिए एक मिलन स्थल' के रूप में वर्णित किया, और एक शब्द गढ़ा 'दावोस मैन'। कई वैसे पत्रकार, जिन्हें आर्थिक समझ नहीं है, वो भी 'ग्लोबल जर्नलिस्ट' के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराने दावोस पहुंच जाते हैं। द स्विस टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सालाना बैठक का वेन्यू, दावोस से कहीं और रखने पर भी विचार किया गया है। आमतौर पर डब्ल्यूईएफ में वैश्विक आर्थिक रुझान, भू-राजनीति, जलवायु नीति, सार्वजनिक स्वास्थ्य और तकनीकी परिवर्तन पर पैनल चर्चाओं के साथ-साथ छोटी कार्यशालाएं, और गुप्त बैठकें शामिल होती हैं। लेकिन इसका ढब धीरे-धीरे बदलता चला गया। आलोचकों का कहना है, कि दावोस में बातें बहुत ज़्यादा होती हैं, मगर दुनिया में बढ़ती असमानता को ठीक करने, और क्लाइमेट चेंज जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए काम नहीं के बराबर होता है। इस बार लगभग 400 टॉप पॉलिटिकल लीडर, जिनमें 60 से ज़्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख शामिल हैं, और दुनिया की कई बड़ी कंपनियों के लगभग 850 चेयरमैन, चीफ एग्जीक्यूटिव ने हिस्सा लिया। दावोस में ईरान की उपस्थिति नहीं थी, इस्राइल के राष्ट्रपति इशाक हर्जोग ज़रूर आये। यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने ग्रीनलैंड पर कब्ज़े की कोशिश को लेकर नए टैरिफ लगाने की ट्रंप की धमकी को 'ब्लैकमेल' कहा है। वेनेजुएला, ग्रीनलैंड और ईरान जैसे अलग-अलग विषयों पर ट्रंप के बयानों और आक्रामक टैरिफ नीतियों ने दुनिया के सिस्टम को उलट-पुलट कर दिया है, चुनांचे फोरम की बैठक में ट्रंप ही छाए रहे। पांच दिनों में 200 सत्र आहूत किये गए थे, लेकिन ट्रम्प आये, और सारे विमर्श बस्ते में बंद हो गए। लेकिन, क्या ट्रम्प इस फोरम पर भी दुनिया को गुमराह कर रहे थे? दावोस में ट्रंप ने एक घंटे से ज़्यादा लंबा भाषण दिया। ट्रंप ने कई ऐसे दावे किए, जो या तो झूठे थे, या गुमराह करने वाले। ट्रंप ने बार-बार दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना की मौजूदगी के बारे में बात की, इसे एक ऐसे इलाके के तौर पर पेश किया, जिसे अमेरिका ने एक बार डेनमार्क को 'वापस' कर दिया था। फैक्ट चेक करने पर पता चलता है, कि अमेरिका ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ग्रीनलैंड की रक्षा में मदद की थी, लेकिन वह कभी भी उस इलाके का मालिक नहीं था। न ही अमेरिका ने डेनमार्क को आज़ाद कराने, या 'बचाने' के लिए कोई अलग से सैन्य अभियान चलाया।सच यह है, कि नाज़ी जर्मनी ने अप्रैल, 1940 में डेनमार्क पर कब्ज़ा कर लिया, तो ग्रीनलैंड को कोपेनहेगन में डेनिश सरकार से अलग कर दिया गया था। जर्मनी को ग्रीनलैंड की रणनीतिक स्थिति और उसकी क्रायोलाइट खानों (विमान एल्यूमीनियम उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण) का फायदा उठाने से रोकने के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका ने वाशिंगटन में डेनमार्क के राजदूत की मंजूरी से हस्तक्षेप किया।

सख्त कानून और तकनीकी उपायों से हो समाधान

नकली दवाओं का खतरा

क्षमा शर्मा

नकली दवाओं का निर्माण और वितरण समाज के लिए गंभीर खतरा है, जिसे कड़े कानून और तकनीकी उपायों से रोका जा सकता है। क्यूआर कोड की अनिवार्यता, डिजिटल लेजर में एंट्री, नेशनल ड्रग डेटाबेस के अलावा उन्नत टेस्टिंग उपकरणों से बेहतर निगरानी व पारदर्शिता यकीनी बनेगी। मानव जीवन की रक्षा में औषधियों की भूमिका किसी संजीवनी से कम नहीं है, परंतु जब मुनाफे की अंधी दौड़ में ये औषधियां ही जहर बन जाएं, तो समाज की नींव हिलने लगती है। जब बाजार में जीवन रक्षक दवाओं के नाम पर 'चॉक पाउडर' या 'दूषित रसायनों' का मिश्रण पहुंचता है, तो इसे केवल व्यापारिक धोखाधड़ी या बौद्धिक संपदा की चोरी मान लेना एक बड़ी भूल होगी। वास्तव में, नकली दवाओं का निर्माण और वितरण सीधे तौर पर 'हत्या का प्रयास' है, जो किसी व्यक्ति को उपचार से वंचित कर उसे मौत के मुंह में धकेल देता है।भारत, जिसे अपनी गुणवत्ता और सामर्थ्य के कारण दुनिया की 'फार्मेसी' कहा जाता है, उसके लिए यह संकट दोहरा है। यह हमारी अंतरराष्ट्रीय साख को भी धूमिल करता है। समय की मांग है कि कानून की शक्ति और तकनीक की पारदर्शिता आपस में हाथ मिलाकर एक ऐसा अभेद्य तंत्र विकसित करें, जहां अपराधी के लिए कोई छिद्र शेष न रहे।

भारत में दवाओं के नियमन का ढांचा औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के साथ शुरू हुआ था, जो अपने समय के अनुसार एक ठोस दस्तावेज था। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला, अपराधियों के सिंडिकेट ने कानून की कमियों को पहचान लिया। साल 2008 में सरकार को यह आभास हुआ कि पुराने कानून में निहित मामूली जुर्माने और सजा इन बड़े गिरोहों के लिए कोई डर पैदा नहीं करते। इसी कारण अधिनियम में व्यापक संशोधन किए गए ताकि कानून के दांतों को पैना किया जा सके। वर्तमान में, धारा 27(ए) के अंतर्गत कड़े प्रावधान किए गए हैं। यदि किसी नकली दवा के सेवन से व्यक्ति की मृत्यु होती है या उसे गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचती है, तो दोषी को कम

से कम 10 साल की कड़ी सजा का प्रावधान है, जिसे अपराध की गंभीरता के आधार पर आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। न्यायपालिका ने भी इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है। 'यूनियन ऑफ इंडिया बनाम अशोक कुमार शर्मा' (2020) जैसे ऐतिहासिक मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अपराधियों को किसी भी प्रकार की न्यायिक रियायत या नरमी नहीं मिलनी चाहिए। अदालतों ने ड्रग इंस्पेक्टर्स की शक्तियों को स्पष्ट करते हुए उन्हें जांच, नमूना संग्रह और जब्ती की प्रक्रिया में अधिक स्वायत्तता प्रदान की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी खामियों के कारण कोई अपराधी कानून की पकड़ से बाहर न निकल सके। कानून का यह प्रहार तब और प्रभावी हो जाता है जब इसे डिजिटल नवाचारों का समर्थन मिलता है। आज का दौर डेटा और पारदर्शिता का है, जहां 'ट्रैक एंड ट्रेस' तकनीक इस पूरी व्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। कागजी दस्तावेजों के हेरफेर के दिन अब लद चुके हैं और सरकार द्वारा शीर्ष 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड अनिवार्य करना इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।तकनीकी मोर्चे पर सबसे शक्तिशाली समाधान 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' में निहित है। यदि दवा के कच्चे माल यानी 'एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट' की खरीद से लेकर कारखाने में उसके निर्माण, फिर डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम और अंततः मरीज के हाथ तक पहुंचने की हर कड़ी को एक सुरक्षित 'डिजिटल लेजर' में दर्ज करें, तो हेरफेर की संभावना शून्य हो जाती है। ब्लॉकचेन की खूबी यह है कि इसमें एक बार दर्ज जानकारी को कोई भी माफिया बदल या मिटा नहीं सकता। इसके साथ ही, एक 'सेंट्रलाइज्ड नेशनल ड्रग डेटाबेस' की स्थापना अनिवार्य है। अक्सर देखा गया है कि एक राज्य में प्रतिबंधित दवा दूसरे राज्य में बेची जाती रहती है। एक एकीकृत डेटाबेस होने से किसी भी कोने में पकड़ी गई नकली दवा की जानकारी रियल-टाइम में देशभर के ड्रग इंस्पेक्टर्स को मिल सकेगी, जिससे अपराधियों के भागने के रास्ते बंद हो जाएंगे। ड्रग विभाग की भूमिका को भी अब पारंपरिक 'इंस्पेक्टर राज' से ऊपर उठकर 'प्रौद्योगिकी मित्र' के रूप में विकसित होना होगा। अब अधिकारियों को केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें 'डेटा एनालिटिक्स' का विशेषज्ञ बनना होगा। यदि किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में किसी ब्रांड की दवा की खपत अचानक और अस्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है, तो सिस्टम को स्वतः ही 'रेड फ्लैग' या चेतावनी जारी करनी चाहिए। ही, ड्रग इंस्पेक्टरों को अत्याधुनिक 'हैंडहेल्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी' जैसे टेस्टिंग उपकरणों से लैस किया जाना चाहिए। ये उपकरण मौके पर ही, बिना पैकिंग खोले, दवा की शुद्धता की प्राथमिक जांच कर सकते हैं, जिससे लैब रिपोर्ट के लिए महीनों तक होने वाले इंतजार को खत्म किया जा सकता है।

आस्था के सैलाब में कहीं हंसी तो कहीं अपनों के खोने की सिसकियां

भीड़ में खोती मासूमियत और बेबस होते मां-बाप सब कुछ दिखा

मकनपुर मेला आँखों देखी

रिज़वान कुरैशी/स्वराज इंडिया

मकनपुर /बिल्हौर (कानपुर)। धूप में नहाया मकनपुर मेला रंग-बिरंगी सजी दुकाने और कई प्रकार के लगे झूले, बच्चों की खिलखिलाहट, ढोल-नगाड़ों की गूँज और जिंदा शाह मदार की दरगाह पर उमड़ा आस्था का सैलाब। हर चेहरा किसी न किसी खुशी की तलाश में था। कोई मन्नत पूरी होने की मुस्कान लिए था, तो कोई आने वाले कल के सपने संजोए चल रहा था। लेकिन इसी उजाले में इसी रौनक में...भीड़ के इसी शोर के बीच कुछ ऐसे पल भी थे, जहाँ रोशनी बेबस हो गई..जहाँ हँसी थम गई। जहाँ खुशियाँ पीछे छूट गईं और डर,आँसू और टूटती उम्मीदें आगे चलने लगीं..एक मासूम का छूटा हुआ हाथ एक माँ की सूनी आँखें और एक बाप की काँपती आवाज़ दिन के उजाले में मकनपुर मेला अचानक एक ऐसे मंजर में बदल गया, जिसे कोई भी माँ-बाप अपनी ज़िंदगी में कभी देखना नहीं चाहता। बसंत पर्व पर लगा ऐतिहासिक मकनपुर मेला इस बार अपने पूरे उफान पर था। श्रद्धा और रौनक का ऐसा संगम कि मेला परिसर में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। कई बार हालात ऐसे बने कि जाम की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस व्यवस्था संभालने में सर्दी में पसीना बहाती रही। मेले में हर तरफ ज़िंदगी चल रही थी। कहीं बच्चे झूले की ज़िद कर रहे थे। कहीं परिवार मन्नत पूरी होने पर दरगाह में हाज़िरी दे रहा था। कोई बाप अपने बच्चों के लिए खिलौने खरीद रहा था, तो कोई माँ अपने लाड़लों का हाथ थामे उन्हें मेले की रौनक दिखाते हुए आगे बढ़ रही थी। मगर इसी चकाचौंध के बीच कुछ पल ऐसे भी थे, जो मेले की चमक से नहीं, आँसुओं से भरे थे। इसी भीड़ में सात साल की रुचि भी थी। माँ-बाप का हाथ थामे वह भी मेले की चमक-दमक देखने आई थी। आँखों में कौतूहल था...चेहरे पर मासूम सी मुस्कान..फिर एक झटका..एक धक्का..और अचानक उसका हाथ छूट गया। भीड़ आगे बढ़ती रही और रुचि वहीं रह गई अकेली...डरी हुई...भीड़ के समंदर में एक छोटी सी बूँद। मेले की गहमागहमी में वह मासूम चीख-चीखकर रोती रही, मगर उसकी आवाज़ मेले की शोर-शराबे में दबती चली गई। उसकी आँखें हर गुजरते चेहरे को देखती रहीं...शायद माँ दिख जाए, शायद पापा की आवाज़ सुनाई दे जाए। उधर माँ-बाप हर चेहरे में अपनी बच्ची तलाशते रहे। हर कदम पर उम्मीद बँधती और अगले ही पल टूट जाती। भीड़ बढ़ती जा रही थी और दिल बैठता जा रहा था। मेला तहसील में बने खोया-पाया केंद्र पर माइक अनाउंसर के पास सिसकियों में डूबी रुचि खड़ी थी। लोग उसे ढाँढस बँधाते रहे..घबराओ मत बेटा पापा आ जाएंगे मम्मी जरूर ढूंढ लेंगी। लेकिन मासूम की आँखों में सवाल था। कब? इसी माइक पर कुछ देर बाद एक और दर्द भरी आवाज़ गूँजी..एक बाप अपने गुम बेटे का एलान कराते-कराते जैसे टूट चुका था। काँपती आवाज़ में निकले शब्द अब मेरा बेटा नहीं मिलेगा उस एक वाक्य में एक पिता की पूरी दुनिया सिमट आई। उम्मीद, हौसला, भरोसा सब कुछ। थोड़ी ही देर में एक माँ भी अपने बेटे की तलाश में माइक के पास पहुँची। उसके होंठ काँप रहे थे, आँखों में आँसू नहीं, बस एक ही सवाल था– किसी ने मेरा बेटा देखा है क्या? बसंत पर्व पर लगा मकनपुर मेला बसंत पंचमी पर सिर्फ उत्सव और रौशनी का प्रतीक नहीं रहा। वह उन टूटते माँ-बाप, उन गुम होती मासूमियत और उन सिसकियों का भी गवाह बन गया, जो शोर के बीच कहीं दबकर रह गईं। कुछ लोग मेले में खुशियाँ खोजने आए थेज्और कुछ अपनी ज़िंदगी का सबसे डरावना मंजर यहीं जी रहे थे। मकनपुर का मेला इस बार यादों में सिर्फ रौनक के लिए नहीं, बल्कि भीड़ में खोते रिश्तों की उस कसक के लिए भी दर्ज हो गया, जो देर रात तक खोया-पाया केंद्र पर बैठी एक बुजुर्ग महिला की सूनी आँखों में तैरती रही..जो अब भी अपने परिवार की राह देख रही थी। स्वराज इंडिया अखबार खोया पाया केंद्र के संचालक ने बताया कि जो माता पिता भाई बहन मेले की भीड़ में जुदा हुए थे। देर रात तक सभी मिल गए। लेकिन एक बुजुर्ग महिला जो अब भी अपने परिवार की आस में बैठी है। एक आँख से नेत्रहीन भी है। मेला अध्यक्ष एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित ने बताया कि महिला के परिजनों से संपर्क साधा गया है हरदोई जिले की महिला रहने वाली है। जिस गांव में महिला रहती है उसे गांव के प्रधान को सूचित कर दिया गया है।परिजन महिला को लेने आ रहे हैं।

नेटवर्क फेल होने से मकनपुर मेले में लाखों के राजस्व पर पड़ा असर

डिजिटल लेनदेन के इस दौर में संचार नेटवर्क की वैकल्पिक व्यवस्था न होना मकनपुर मेले में भारी पड़ गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और खरीदारों के एक साथ जुटने से मोबाइल नेटवर्क पूरी तरह ध्वस्त हो गया, जिससे ऑनलाइन भुगतान ठप हो गया। जेब में नकदी न रखने की आदत के कारण मेले में आए लोग खरीदारी से वंचित रह गए। आमतौर पर बड़े मेलों और आयोजनों में दूरसंचार कंपनियां अस्थाई टावर लगाकर नेटवर्क मजबूत करती हैं, लेकिन मकनपुर मेले में यह व्यवस्था नहीं की गई। बसंत पर्व पर लाखों की भीड़ जुटने वाले इस मेले में कारोबार प्रभावित रहा, जिससे सरकार को मिलने वाले लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है।

दरगाह तक पहुंचने को उमड़ी भीड़

बसंत पंचमी के मौके पर मकनपुर एक बार फिर आस्था का संगम बन गया। पीली सरसों की खुशबू और बसंती मौसम के बीच हजारों जायरीन सुबह से ही ईशन नदी की ओर उमड़ पड़े। स्नान के बाद अकीदतमंद सीधे सैय्यद बदीउद्दीन जिंदा शाह मदार की दरगाह की ओर बढ़े, जहां चादरपोशी और दुआओं का सिलसिला दिनभर चलता रहा। वहीं बड़ी संख्या में छोटे-छोटे बच्चों के मुंडन संस्कार की प्रक्रिया रही और मुराद मांगने वाले लोगों ने अपनी मन्नतें मांगी। दरगाह से लेकर आसपास की तंग गलियों तक इंसानों का सैलाब नजर आया। दम मदार बेड़ा पार की सदाओं के साथ लोग किसी तरह आगे बढ़ते रहे। भीड़ का दबाव इतना रहा कि बिल्हौर-मकनपुर और मकनपुर-अरौल मार्ग पर बार-बार यातायात ठहरता दिखा। आस्था की इस भीड़ को संभालने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। जगह-जगह बैरिकेडिंग, सादी वर्दी में पुलिसकर्मी और लगातार गश्त ने सुरक्षा घेरा मजबूत रखा। इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव खुद मेला क्षेत्र में पुलिस बल के साथ निगरानी करते नजर आए। मेले में जेबकतरों का एक दल भी सक्रिय था। कई इसके शिकार भी हुए। वहीं खुफिया तंत्र भी हर गतिविधि पर नजर बनाए रहा। बसंत पंचमी पर मकनपुर में आस्था,परंपरा और सुरक्षा तीनों का अनोखा संगम देखने को मिला।

मां सरस्वती की आराधना संग हर्षोल्लास से मनाया बसंत पर्व

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बसंत पंचमी पर क्षेत्र में श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखने को मिला। सरकारी व गैर-सरकारी शिक्षण संस्थानों में मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हवन-पूजन कर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ज्ञान और बुद्धि का वरदान मांगा।

शिवराजपुर स्थित खेरेश्वर गंगा तट समेत क्षेत्र के दर्जनों घाटों पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। वहीं विभिन्न मंदिरों में भी सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ती रही और मां सरस्वती के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। बिल्हौर इंटर कॉलेज में विशेष सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम किए गए।

⇨ शिक्षण संस्थानों में हुए विविध कार्यक्रम, हवन-पूजन कर मांगा ज्ञान का वरदान

उधर सुभानपुर गांव स्थित प्रभा सनराइज स्कूल में भी विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई गई। मुख्य अतिथि एसडीएम संजीव दीक्षित तथा विशिष्ट अतिथि लेखपाल संघ के जिला अध्यक्ष मोहित सचान मौजूद रहे। इसके अलावा अरौल स्थित एमएलकेडी पब्लिक स्कूल, औरंगपुर सांभी के सुधा इंटरनेशनल स्कूल समेत क्षेत्र के दर्जनों विद्यालयों में बसंत पंचमी का पर्व श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया।

केडीए में डा रवि प्रताप सिंह के बुलडोजर एक्शन से कांपे प्लाटिंग माफिया

» केडीए प्रवर्तन का अवैध निर्माण और प्लाटिंग पर सख्त प्रहार,
» 02 बीघा अवैध प्लाटिंग
» ध्वस्त, 01 परिसर सील

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण में जहां अन्य जोन में अवैध निर्माण को लेकर कार्वाई सुस्त नजर आ रही है, वहीं प्रवर्तन जोन-1बी में ओएसडी एवं विशेष कार्याधिकारी रवि प्रताप सिंह द्वारा की जा रही लगातार बुलडोजर कार्वाई इन दिनों शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। इसी क्रम में केडीए की प्रवर्तन जोन-1बी टीम ने मैनावती मार्ग स्थित जागेश्वर मंदिर के सामने कटरी ख्योरा क्षेत्र में लगभग 02 बीघा में विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर दिया। यह प्लाटिंग बिना प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराए और अनुमति के बिना विकसित की जा रही थी।

कार्रवाई विशेष कार्याधिकारी एवं उपजिलाधिकारी रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई, जिसमें संबंधित अभियंता, सुपरवाइजर तथा थाना बिठूर का पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा।

इसके साथ ही मुखर्जी विहार स्थित प्लाट संख्या 04 में लगभग 356 वर्ग गज क्षेत्रफल में बने बेसमेंट, ग्राउंड और 02 मंजिला अवैध निर्माण को उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 28(क) के अंतर्गत सील किया गया।

प्रवर्तन जोन-1बी की संयुक्त टीम ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से किए जा रहे 09 निर्माण एवं विकास कार्यों को भी चिन्हित कर संबंधित निर्माणकर्ताओं को नोटिस जारी किया है। इनमें बिना स्वीकृत मानचित्र के गेस्ट हाउस संचालन, बड़े पैमाने पर अवैध प्लाटिंग और दुकानों के निर्माण के मामले शामिल हैं।

केडीए ने स्पष्ट किया है कि नोटिस का संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी भूमि या प्लाट को खरीदने से पहले केडीए से ले-आउट स्वीकृति की पुष्टि अवश्य करें और मानचित्र स्वीकृत कराकर ही भवन निर्माण कराएं, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की आर्थिक या मानसिक क्षति से बचा जा सके।

केडीए ने यह भी साफ किया है कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मोतीझील लॉन की बुकिंग में अनियमितता

» एक लॉन की अनुमति लेकर कई अन्य लॉन पर कब्जे का आरोप

» नगर निगम की संपत्ति विभाग ने आयोजक को थमाई नोटिस

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम के मोतीझील स्थित लॉन की बुकिंग को लेकर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक लॉन की बुकिंग कर आयोजकों द्वारा दूसरे लॉन पर भी कब्जा कर पंडाल सजा दिया गया, जिससे नगर निगम को राजस्व का नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार गायक हंसराज रघुवंशी के कंसर्ट के नाम पर आयोजक संजय मित्तल द्वारा केवल एक लॉन की बुकिंग कराई गई थी, जबकि 21 जनवरी से मोतीझील परिसर के सभी लॉन पर मनमाने ढंग से कब्जा कर लिया गया। कार्यक्रम की तिथि 25 जनवरी निर्धारित है, लेकिन उससे कई दिन पहले ही पूरे परिसर में पंडाल, सजावट और अन्य तैयारियां कर दी गईं।

आरोप है कि संजय मित्तल द्वारा एबीवीपी, संघ और बीजेपी नेताओं का नाम लेकर नगर निगम के अधिकारियों पर दबाव बनाया जा रहा है, जिससे कार्रवाई से बचा जा सके। इस पूरे प्रकरण को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

वहीं इस मामले में कार्यक्रम आयोजक संजय मित्तल का कहना है कि मोतीझील लॉन 1 में पहले से मेला लगा हुआ है, जिसके कारण उनके द्वारा विधिवत बुक किए गए लॉन में दूसरे आयोजकों का अधिक कब्जा हो गया है। उनका आरोप है कि इस संबंध में नगर निगम के अधिकारियों द्वारा कोई सहयोग नहीं किया जा रहा है, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।फिलहाल मोतीझील लॉन की बुकिंग और कब्जे को लेकर उठे सवालों ने नगर निगम की व्यवस्था और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि नगर निगम प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और वास्तविक स्थिति क्या सामने आती है।इस मामले में अपर नगर आयुक्त आवेश खान ने कहा कि मामले की जानकारी की जा रही है।

पुखरायाँ में बचपन प्ले स्कूल देगा शिक्षा को नई उड़ान

» 15 फरवरी को विद्यालय का भव्य उद्घाटन किया जाएगा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। जब शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित न रहकर बच्चों के सपनों से जुड़ जाए, तब भविष्य खुद रास्ता बनाता है। कुछ ऐसा ही प्रयास अब कानपुर देहात के पुखरायाँ में देखने को मिलेगा, जहां देशभर में अपनी पहचान बना चुका बचपन प्ले स्कूल अपनी पहली शाखा खोलने जा रहा है। 15 फरवरी को विद्यालय का भव्य उद्घाटन किया जाएगा। पुखरायाँ बस स्टैंड के समीप स्थापित इस आधुनिक प्ले स्कूल का उद्देश्य 2 से 5 वर्ष तक के बच्चों को सुरक्षित माहौल में खेल-खेल में सीखने का अवसर देना है। विद्यालय की संरक्षक भूमिका पैनी नजर के साथ में आशुतोष पांडेय और निदेशक के रूप में निधि पांडेय शिक्षा के इस नए अध्याय का नेतृत्व कर रही हैं। विद्यालय में प्ले ग्रुप से लेकर अपर केजी तक बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। कुल 150 सीटों में से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए लकी डॉ से 5 सीटें हर वर्ष पूर्णत: नि:शुल्क रखी गई हैं। बचपन प्ले स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम, कॉन्सेप्ट रूम, बोलने वाली किताबें, वर्चुअल रियलिटी और रोबोटाइम जैसे नवाचार बच्चों में अंग्रेजी की चाहत दोनों भाषाओं की कमान आत्मविश्वास और जिज्ञासा विकसित करेंगे।विद्यालय समन्वयक तनीषा उस्मान के नेतृत्व में अध्यापिकाएं निष्ठा गुप्ता, दिव्या शुक्ला और शिखा जायसवाल बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत आधार देंगी।

वहीं, दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट टीम से मदर काउंसलर शैली शर्मा और टीचर ट्रेनर अभिषेक सचदेवा का मार्गदर्शन भी मिलेगा। निदेशक निधि पांडेय ने बताया कि विद्यालय का लक्ष्य केवल शुरुआती शिक्षा तक सीमित नहीं है। आने वाले समय में कक्षा 12 तक स्कूल को विकसित करने की योजना है।

एनकाउंटर में एक बदमाश लंगड़ा, साथी भी गिरफ्तार, दो कांस्टेबल घायल

» गिरफ्तार किये गए बदमाशो पर दर्जनों मुकदमे दर्ज

» मुठभेड़ में घायल कांस्टेबल पवन कुमार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 2 शातिर बदमाशो को गिरफ्तार किया है। एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। गिरफ्तार किये गए बदमाशो के पास से तमंचा, कारतूस और एक बाइक बरामद की है। तीन बदमाश रात में अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। बदमाशो से हुई मुठभेड़ के दौरान 2 पुलिस कर्मी घायल हुए है। पुलिस फरार बदमाशो की तलाश में जुट गई है। गिरफ्तार किये गए शातिर बदमाशो पर दर्जनों मुकदमे दर्ज है। मुठभेड़ में घायल बदमाश को सीएचसी पुखरायां में भर्ती कराया गया। मुठभेड़ की जानकारी मिलते ही क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर सर्कल के सभी थानों का फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे।

मुठभेड़ में घायल कांस्टेबल पवन कुमार

भोगनीपुर कोतवाल अमरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि भोगनीपुर थाना क्षेत्र में एक शातिर बदमाशो का गैंग काफी समय से सक्रिय था। जो दिन में रेकी कर रात के समय बंद घरों को निशाना बनाते थे ।

शुक्रवार देर रात सूचना मिली कि कुछ बदमाश अस्तिया रोड में बंद पड़े मकान को निशाना बनाने की फिराक में है ।सूचना मिलते ही वह और चौकी इंचार्ज पुखरायां अमरेंद्र प्रताप सिंह, चौकी इंचार्ज देवीपुर अभिषेक चौहान व फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देख बदमाश दो बाइकों से भागने लगे। पुलिस ने जब बदमाशो का पीछा किया तो बदमाशो ने पुलिस पर फायर झोंक दिये।

जिसमे 2 पुलिस कर्मियों पवन कुमार व अभय चौहान को गोली लग गयी। जवाबी कार्यवाही में पुलिस ने बदमाशों पर फायर किया जिससे एक बदमाश राजन उर्फ उदयवीर निवासी मऊखास भोगनीपुर हालपता सीपीसी गोदाम घंटाघर रेलवे स्टेशन के पास थाना कलेक्टरगंज के पैर में गोली लगी और वह वही गिर गया और उसके साथ बाइक में बैठे दूसरे बदमाश शिवा पुत्र नारायणदत्त निवासी मऊखास कोतवाली भोगनीपुर हालपता नारायणपुर कोतवाली भोगनीपुर को पुलिस ने पकड़ लिया।

वही तीन बदमाश रात के अंधेरे का फायदा उठाकर बाइक से भागने में सफल रहे।पकड़े गए बदमाशो के पास से एक देशी तमंचा और 2 जिंदा कारतूस बरामद हुए है साथ ही एक बाइक भी पुलिस ने मौके से बरामद की है।

सीओ संजय कुमार वर्मा ने बताया कि ये शातिर बदमाश है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक देशी तमंचा, एक खोखा नाल में फसा हुआ, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस और मौके से बाइक बरामद की है। इनके तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकले है। पुलिस की टीम उनकी तलाश में जुट गई है।

गणतंत्र दिवस से पहले कई थानेदार इधर से उधर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने पुलिस विभाग में फेरबदल करते हुए कई थानेदारों व दरोगाओं का तबादला कर दिया।

तबादला सूची जारी होते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। निरीक्षक अनूप कुमार निगम को पीआरओ पुलिस अधीक्षक/प्रभारी डीसीआरबी से पीआरओ पुलिस अधीक्षक, वहीं निरीक्षक वीरेंद्र बहादुर को प्रभारी निरीक्षक थाना एचटी से अतिरिक्त निरीक्षक थाना अकबरपुर, निरीक्षक महेश कुमार को प्रभारी निरीक्षक थाना मंगलपुर से प्रभारी निरीक्षक थाना एचटी, निरीक्षक देवेंद्र सिंह को अपराध शाखा से प्रभारी डीसीआरबी/क्राइम इन इंडिया तथा निरीक्षक महेश दुबे को प्रभारी निरीक्षक थाना मूसानगर से प्रभारी निरीक्षक थाना मंगलपुर स्थानांतरित किया गया है।

महिला निरीक्षक रीना गौतम को अतिरिक्त निरीक्षक थाना अकबरपुर से पदोन्नत करते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना मूसानगर की

जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं उपनिरीक्षक अमित शुक्ला को थानाध्यक्ष थाना रूरा से थाना शिवली तथा उपनिरीक्षक सुधीर को चौकी प्रभारी झींझक थाना मंगलपुर से थानाध्यक्ष थाना रूरा नियुक्त किया गया है।

शिकायत का निर्धारित समयसीमा में निस्तारण होना जरूरी

» डीएम ने कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा की, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार, कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई। बैठक में स्टाम्प, आबकारी, वाणिज्यकर, परिवहन, विद्युत, वन, खनिज, बाट-माप सहित विभिन्न विभागों की राजस्व वसूली की प्रगति की गहन समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बड़े बकायेदारों के विरुद्ध तहसीलवार प्रभावी कार्रवाई करने तथा लंबित राजस्व वादों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया। राजस्व वादों, स्टाम्प वादों, ऑडिट आपत्तियों एवं वेदखली वादों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि निस्तारण में पारदर्शिता, गति और गुणवत्ता तीनों का विशेष ध्यान रखा जाए। आईजीआरएस, तहसील दिवस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तथा माननीय जनप्रतिनिधियों के संदर्भ से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में एडीएम प्रशासन अमित कुमार, एडीएम (वित एवं राजस्व) दुष्यंत कुमार मौर्य, एडीएम (न्यायिक) दिग्विजय सिंह, आईजी स्टाम्प सहित परिवहन, विद्युत, वाणिज्यकर, आबकारी विभाग के अधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

पैदल कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। रसूलाबाद कस्बे के आज़ाद नगर वार्ड में सप्तम दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा एवं श्रीराम कथा का शुभारंभ भव्य पैदल कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में महिलाओं, बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

श्रीमद्भागवत कथा पंडाल से महिलाओं व बच्चों ने सिर पर कलश लेकर पैदल यात्रा प्रारंभ की। कलश यात्रा झींझक रोड तिराहा से होते हुए मुख्य चौराहा पहुँची और गांधी नगर स्थित रतनपुर रजबहे के घाट पर समाप्त हुई। यहाँ पंडित अजय पांडेय ने विधिविधान से पूजन कर कलशों में पवित्र जल भरवाया। इसके पश्चात गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा पुनः आज़ाद नगर स्थित दुर्गा देवी मंदिर परिसर में बने श्रीमद्भागवत कथा पंडाल पहुँची।

मुख्य कथा वाचक पंडित विनोद कुमार द्विवेदी ने गणपति पूजन कर श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ कराया। परीक्षित अरुण कुमार उर्फ मुन्ना कुशवाहा, गीता देवी, मुरारी लाल कुशवाहा, रामचंद्र कुशवाहा, सपा जिला कोषाध्यक्ष गोपाल गुप्ता, वीरू कुशवाहा, विपिन मिश्रा, पंडित रामशंकर पांडेय, प्रधान अजय यादव, माधुरी गुप्ता, रामकुमार वर्मा, रामसेवक कुशवाहा, सिंधबाज कुशवाहा, निखिल कुशवाहा, प्रेम, रामकिशन कुशवाहा, शेर सिंह कुशवाहा, केशव कुशवाहा आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पुखरायां स्टेशन पार्क में 100 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगाया

पुखरायां। रेलवे स्टेशन पार्क में 100 फीट ऊंचा तिरंगा ध्वज लगाया गया। पुखरायां स्टेशन का उच्चीकरण अमृत भारत योजना के तहत कराया गया है। राष्ट्रीय रेलवे सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य शेख मोहम्मद ने बताया कि पार्क को पहले से अधिक खूबसूरत बनाया गया है। झांसी मंडल के डीआरएम अनुरुद्ध कुमार ने 25 जनवरी तक सभी अमृत भारत के तहत चयनित स्टेशनों पर राष्ट्रीय ध्वज लगाए जाने के निर्देश दिए हैं। रेलवे बिजली विभाग उरई के अवर अभियंता मोहित शुक्ला ने बताया कि यह जिम्मेदार बिजली विभाग को दी गई थी। जिसके तहत राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया है। व्यापारी संदीप गौड़, अमित मिश्र, सभासद प्रमोद उर्फ काला ठाकुर ने बताया कि नगरपालिका की ओर से गत वर्ष पटेल चौक पर राष्ट्रीय ध्वज लगवाया था। अब स्टेशन परिसर में भी राष्ट्रीय ध्वज लगाए जाने से पुखरायां की खूबसूरती बढ़ गई है।

कीटनाशक दवा पीने से युवक की हालत बिगड़ी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में कीटनाशक दवा पी ली, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने आनन-फानन में उसे उपचार के लिए महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रसूलाबाद में भर्ती कराया। पीड़ित की पहचान अमन निवासी कछपुरवा के रूप में हुई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र में रतनपुर निवासी एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायल को महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रसूलाबाद लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया गया। घायल की पहचान ज्वाला निवासी रतनपुर के रूप में हुई है।

गणतंत्र दिवस परेड का रिहर्सल देखा, दिए कई निर्देश

एसपी ने कहा सुरक्षा, यातायात की व्यवस्था मजबूत रहे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने गणतंत्र दिवस पर होने वाली रैतिक परेड की रिहर्सल का रिज़र्व पुलिस लाइन निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस की विभिन्न टुकड़ियों, होमगार्ड्स तथा एनसीसी के छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी-अपनी मार्च-पास्ट एवं प्रस्तुतियों का अनुशासित एवं सराहनीय प्रदर्शन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि 26 जनवरी के अवसर पर सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा व आपातकालीन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी लाइन्स सिकन्दरा प्रिया सिंह, क्षेत्राधिकारी रसूलाबाद, प्रतिसार निरीक्षक, अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

श्रीराम का आदर्श जीवन व्यक्ति को सही मार्ग दिखाता

» ब्रह्मदेव बाबा आश्रम में श्रीराम कथा शुरू, निकली कलश यात्रा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात (अकबरपुर)बाबा ब्रह्मदेव जन जागरण सेवा समिति के तत्वावधान में मिलकिनपुरवा, अकबरपुर स्थित ब्रह्मदेव बाबा आश्रम में नव दिवसीय श्रीराम कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। कथा के पहले विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कलश यात्रा ब्रह्मदेव बाबा आश्रम मंदिर, मिलकिनपुरवा से प्रारंभ होकर दुर्वासा ऋषि आश्रम पहुंची, जहां से पवित्र जल भरकर पुनः कथा स्थल पर पहुंची यात्रा का मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा और भव्य स्वागत किया गया। पूरे क्षेत्र में 卐जय श्रीराम卐 के जयकारों से धार्मिक माहौल बना रहा

दोपहर दो बजे ब्रह्मदेव बाबा आश्रम में श्रीराम कथा का शुभारंभ करते हुए हिमाचल प्रदेश के नैना देवी से पधारे पंकज जी महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का महत्व बताया। उन्होंने भगवान श्रीराम के बाल्यकाल, माता-पिता के चरित्र, अयोध्या कालीन सामाजिक एवं धार्मिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। पंकज जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन आज भी सत्य, धर्म, भक्ति और अनुपम आदर्श प्रस्तुत करता है।कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव से कीर्तन, भजन और आरती में भाग लिया। पंकज जी महाराज ने श्रीराम के वनवास, माता सीता के आदर्श चरित्र, लक्ष्मण की सेवा भावना और हनुमान जी की अनन्य भक्ति जैसे प्रमुख प्रसंगों का भावपूर्ण प्रस्तुति दी उन्होंने कहा कि श्रीराम का आदर्श जीवन आज के युग में भी प्रत्येक व्यक्ति को सही मार्ग दिखाता है। यह श्रीराम कथा 31 जनवरी तक चलेगी। मुख्य यजमान श्यामू शुक्ला जी, अशोक बाजपेई जी, पप्पू पाल, बीनू गिहार, कल्लू गिहार, मोनू मिश्रा जी, प्रशांत ओमर जी, अतुल त्रिपाठी, जितेंद्र कुमार यादव, विपिन शुक्ला, गुड्डू त्रिवेदी, सभासद नरेंद्र पाल, रविंद्र पाल एवं पुष्पेंद्र शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

बारात के दौरान बवाल से भगदड़, 10 लोग गंभीर घायल

करीब 30 से 40 हमलावरों ने लाठी-डंडों और फरसों से बारातियों पर हमला किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। दादरी थाना क्षेत्र के रामपुर फतेहपुर गांव में एक शादी समारोह उस वक्त दहशत में बदल गया, जब बारात के दौरान अचानक गाड़ियों में सवार होकर आए दबंगों ने हमला बोल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, करीब 30 से 40 की संख्या में आए हमलावरों ने लाठी-डंडों और फरसों से बारातियों पर ताबड़तोड़ हमला किया, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

बताया जा रहा है कि बारात गांव के मुख्य मार्ग से गुजर रही थी, तभी अचानक कई गाड़ियां वहां रुकीं और उनमें सवार दबंगों ने बिना किसी चेतावनी के हमला शुरू कर दिया। हमले के दौरान लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। महिलाएं और बच्चे भी डर के मारे इधर-उधर छिपते नजर आए।

इस हिंसक हमले में 8 से 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया,

जहां डॉक्टरों ने कुछ की हालत नाजुक बताई है और उन्हें ढ्ढ में भर्ती किया गया है। कई घायलों के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हमला पुरानी रंजिश के चलते किया गया।

दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था, जिसका बदला लेने के इरादे से दबंगों ने शादी जैसे पवित्र आयोजन को भी नहीं बख्शा।

घटना की सूचना मिलते ही दादरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लिया। गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज करने शुरू कर दिए हैं और हमलावरों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है

और दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है, जबकि पीड़ित परिवार न्याय की मांग कर रहे हैं।

बदमाशों ने फौजी समेत दो परिवारों को लूटा, सीमा विवाद में उलझी रही पुलिस

» जिम्मेदार अधिकारी ढाई घाट मेले की ड्यूटी का हवाला देकर मौके से नदारद रहे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। जिले के पुलिस की सुस्ती का फायदा उठाकर बदमाशों ने एक रिटायर फौजी और एक व्यापारी दंपति को तमंचे के बल पर बंधक बनाकर नकदी, जेवरात और सामान लूट लिया द्य घटना को अंजाम देते समय पीड़ित मदद के लिए चीखते रहे, लेकिन दोनों थानों की पुलिस सीमा विवाद के में उलझी रही। वहीं, जिम्मेदार अधिकारी ढाई घाट मेले की ड्यूटी का हवाला देकर मौके से नदारद रहे।

थाना नवाबगंज के गांव ग्राम बछलैया निवासी रिटायर फौजी रामजीत कलुआपुर सानी मार्ग पर अपनी बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान के ऊपर बने कमरे में सो रहे थे। रात को छत के रास्ते घुसे चार नकाबपोश डकैतों ने फौजी की कनपटी पर तमंचा सटा दिया। बदमाशों ने सबसे पहले उनका मोबाइल और पास रखी कुल्हाड़ी छीन ली और उन्हें कमरे में बंद कर दिया। फौजी को बंधक बनाने के बाद बदमाश बगल में स्थित महावीर प्रसाद के घर में घुसे। वहां सो रही सुशीला देवी और उनके पति महावीर को असलहों के बल पर काबू में कर लिया। बदमाशों ने घर और नीचे स्थित परचून की दुकान से इनवर्टर, कीमती सामान, नगदी और जेवरात लूट लिए। सुशीला देवी ने बताया कि चार नकाबपोशों ने तमंचा सटाकर मौत का खौफ दिखाकर इस वारदात को अंजाम दिया। सुबह जब रामजीत ने खेतों में काम कर रहे ग्रामीण रामौतार को आवाज देकर बुलाया और कमरा खुलवाया, तब वारदात का पता चला। यूपी 112 की सूचना पर नवाबगंज पुलिस पहुंची, लेकिन यह कहकर लौट गई कि इलाका शमशाबाद का है तब भी शमशाबाद पुलिस मौके पर पहुंचने की जहमत तक नहीं उठाई। घटनास्थल से 250 मीटर दूर बदमाशों का हेलमेट और लूटी गई कुल्हाड़ी बरामद हुई है। पीड़ित फौजी के पुत्र विवेश कुमार का आरोप है कि दोनों थानों के पुलिस अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र का बहाना बनाकर अपना पल्ला झाड़ लिया जबकि घटनास्थल शमशाबाद क्षेत्र में आता है। चौंकाने वाली बात यह है कि जब इस संबंध में थानाध्यक्षों से बात करने की कोशिश की गई, तो पता चला कि दोनों थानों के थानाध्यक्ष ढाई घाट शमशाबाद मेले की ड्यूटी में व्यस्त हैं, जिस कारण उनसे संपर्क नहीं हो सका। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना स्थल शमशाबाद थाना क्षेत्र में आता है। अपराधी बेखौफ होकर लूट कर ले गए और पुलिस सीमा रेखा तय करने में जुटी रही। शाम लगभग 5 बजे सुशीला देवी के पति महावीर व रामजीत फौजी थाना पुलिस को तहरीर देने पहुंचे तो थानाध्यक्ष ने घटना की सूचना अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह को दी। जिसपर अपर पुलिस अधीक्षक ने घटना से संबंधित मुकदमा दर्ज करने के लिए थानाध्यक्ष शमशाबाद को आदेशित कर पीड़ितों को थाना शमशाबाद भेज दिया।

सीएम योगी ने अस्पताल में नृत्य गोपाल दास महाराज से की मुलाकात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित मेदांता हॉस्पिटल पहुंचकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महाराज श्री का हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चिकित्सकों से नृत्य गोपाल दास महाराज के स्वास्थ्य को लेकर विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की। डॉक्टरों ने उन्हें उपचार और स्वास्थ्य स्थिति से अवगत कराया।सीएम योगी ने कहा कि महंत नृत्य गोपाल दास महाराज का स्वास्थ्य सनातन समाज और रामनगरी अयोध्या से जुड़ी लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है। उन्होंने ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

अयोध्या नगर निगम में 'ऑपरेटर राज'

कंप्यूटर ऑपरेटरों के सामने बौना पड़ा नगर आयुक्त का आदेश

» प्रशासनिक मर्यादा ध्वस्त, हस्ताक्षर नई कुर्सी पर, काम पुरानी मेज पर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्याअयोध्या नगर निगम इन दिनों प्रशासन नहीं, बल्कि आउटसोर्सिंग कंप्यूटर ऑपरेटरों के इशारों पर चलता नजर आ रहा है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार द्वारा 12 दिसंबर 2025 को जारी किए गए ट्रांसफर आदेश–जो टैक्स और निर्माण विभाग से जुड़े कई लिपिकों व कंप्यूटर ऑपरेटरों पर लागू थे–कागजों में सख्त, मगर ज़मीनी हकीकत में दम तोड़ते दिख रहे हैं। आदेश के महीनों बाद भी कर्मचारी फ्रचार्ज लेकरफ्र पुराने विभागों में जमे हुए हैं और वही काम कर रहे हैं–मानो ट्रांसफर एक औपचारिक नोटिस भर हो।

सूत्रों के मुताबिक, यह ट्रांसफर आदेश नगर निगम की लीक हुई ऑडिट रिपोर्ट से जुड़ा था। मकसद साफ था—विभागीय जकड़न तोड़ना। लेकिन हुआ उलटा।

आउटसोर्सिंग ऑपरेटरों की धौंस के आगे नगर आयुक्त का आदेश बौना पड़ गया। चर्चा है कि इन ऑपरेटरों को सत्ता पक्ष के पार्षदों का खुला संरक्षण हासिल है, जिससे आदेशों की धज्जियां उड़ना 'सिस्टम' का हिस्सा बन चुका है। नगर निगम के एक जिम्मेदार अभियंता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया—जिस विभाग में ट्रांसफर हुआ, वहां सिर्फ हस्ताक्षर कर दिए जाते हैं। असली काम आज भी पुराने विभाग में ही हो रहा है। विभागाध्यक्ष जानते हैं, फिर भी आंख मूंदे बैठे हैं।

अपर नगर आयुक्त बेबस सिस्टम बेकाबू

अधिष्ठान प्रभारी अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार की स्थिति भी दयनीय बताई जा रही है। आदेश लागू कराने की कोशिशें 'ऑपरेटर नेटवर्क' के सामने बेअसर साबित हो रही हैं। यह वही नेटवर्क है जिसने वर्षों से कर विभाग को अपनी पकड़ में ले रखा है। कर विभाग में 7 से 10 वर्षों से राजस्व निरीक्षकों के जोन तक नहीं बदले गए। इसके पीछे सत्ता पक्ष के पार्षदों की लामबंदी की चर्चा है। सूत्र कहते हैं–इनका जोन बदलना नगर आयुक्त के लिए ÷बिना दूध के दही जमाने÷ जैसा है। निरीक्षक वार्डों में अपनी पैठ बना चुके हैं और प्रशासनिक फेरबदल को मज़ाक समझते हैं। अयोध्या जोन में विस्तारित क्षेत्रों में टैक्स बढ़ोतरी के नाम पर अवैध वसूली के गंभीर आरोप हैं। नामांतरण और टैक्स से जुड़े प्रार्थना पत्र महीनों तक लंबित पड़े रहते हैं। एक शिकायतकर्ता के अनुसार, अगस्त में दिया गया प्रार्थना पत्र चार महीने बाद भी जस का तस है जबकि नियम 45 दिन का है।

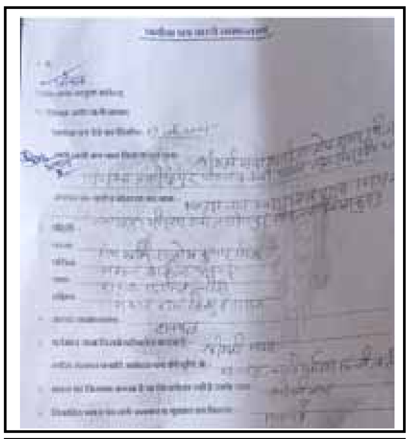

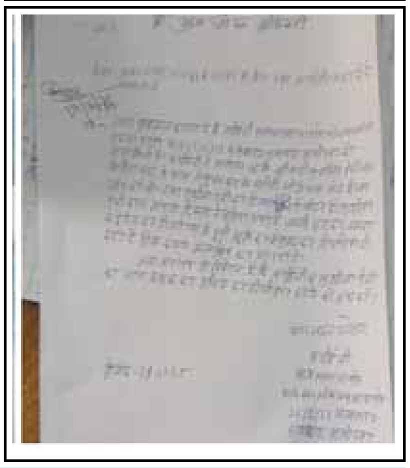

'कर्मचारी नहीं सुन रहे, क्या करूं?'

मामले पर सहायक नगर आयुक्त अशोक कुमार गुप्ता का कथन सिस्टम की सड़ांध उजागर करता है– ÷कर्मचारी नहीं सुन रहे, क्या करूंज नगर निगम के कर्मचारी नहीं सुधर सकते।÷ यह बयान अपने आप में बहुत कुछ कह देता है जब अधिकारी ही अपने निर्देश लागू कराने में राजस्व निरीक्षकों के आगे बेबस हों, तो व्यवस्था किसके हाथ में है? अयोध्या नगर निगम में प्रशासनिक आदेशों का हाल यह है कि वे कंप्यूटर स्क्रीन पर दिखते हैं, ज़मीन पर नहीं। जब आउटसोर्सिंग ऑपरेटर सत्ता संरक्षण में आदेशों को ठेंगा दिखाएं, अधिकारी बेबस हों और फाइलें धूल फांकें तो सवाल सीधा है– नगर निगम चला कौन रहा है आयुक्त या 'ऑपरेटर राज'?

मानव धाम में सरस्वती हुआ पूजन व भंडारा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जनौरा स्थित मानव धाम में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सरस्वती पूजन एवं भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अरविंद कुमार, रेजीडेंट मजिस्ट्रेट ने किया। इस मौके पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए ।कार्यक्रम में कन्या पूजन, श्रीसूक्त पाठ, हवन एवं यज्ञ जैसे वैदिक विधानों का भी आयोजन हुआ ।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार न केवल देश में बल्कि पूरी दुनिया में हो रहा है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजक संत दास राजेश सिंह मानव एवं संगीतज्ञ आचार्य सत्य प्रकाश मिश्रा को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा नेता शुभेन्द्र राम सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार बृजेश सिंह, पत्रकार समीर शाही एवं पत्रकार राजेंद्र कुमार दूबे को भी सम्मानित किया गया। संगीतज्ञ आचार्य सत्य प्रकाश मिश्रा ने कहा कि यह आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और धार्मिक चेतना को मजबूत करने का माध्यम बनेगा। आयोजन में अर्चिता, अंशिका, अनीता, अमन, आदर्श, संगीता, ध्रुव सहित अन्य छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही।

अयोध्या से शिखर तक सनातन का उद्घोष

समीर शाही स्वराज इंडिया

» जब पर्वत शिखर पर लहराया श्रीराम का धर्मध्वज

» साधना बने साहस और साधक बने माउंटेनियर नरेंद्र

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। सनातन धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, वह जीवन का विस्तार है धरती से आकाश तक, चेतना से शिखर तक। इसी सनातन चेतना का विराट उद्घोष बनी ऐतिहासिक आध्यात्मिक यात्रा फ्रअयोध्या से शिखरफ्र, जिसका प्रथम पड़ाव बसंत पंचमी के पावन अवसर पर अयोध्या में श्रद्धा, संकल्प और संस्कार के साथ सम्पन्न हुआ। यह यात्रा केवल भौगोलिक नहीं, आत्मिक थी। श्रीराम जन्मभूमि से उठे सनातन धर्मध्वज को विश्व के शिखरों तक पहुँचाने का यह संकल्प, भारतीय आत्मा की ऊँचाइयों को छूने का प्रयास है। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धर्मध्वज पूजन ने इस अभियान को साधना का स्वरूप दिया ।इस दिव्य यात्रा के केंद्र में रहे देश के साहसी पर्वतारोही श्री नरेंद्र कुमार—जिन्होंने पर्वत को केवल चुनौती नहीं,साधना-स्थल माना। 1 दिसंबर को श्रीराम जन्मभूमि, अयोध्या से प्रारंभ हुई यह यात्रा नेपाल मार्ग से पैदल चलकर 29 दिसंबर को लगभग 18 हजार फीट की ऊँचाई पर स्थित बेस कैंप तक पहुँची। वहीं, हिमशिखरों के बीच, कठिन परिस्थितियों में श्री नरेंद्र कुमार ने प्रभु श्रीराम का सनातन धर्मध्वज शिखर पर फहराया। वह क्षण केवल विजय का नहीं था, वह उद्घोष था—कि जहां भारतीय संकल्प पहुँचता है, वहां सनातन भी पहुँचता है। हिमालय की नीरवता में लहराता रामध्वज यह संदेश दे गया कि सनातन धर्म न किसी सीमा में बंधा है, न किसी भूगोल में—वह साहस, त्याग और श्रद्धा के साथ हर शिखर पर प्रतिष्ठित होता है। अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में धर्मध्वज पूजन के उपरांत इसे श्रद्धापूर्वक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री चंपत राय को समर्पित किया गया।

आध्यात्मिक मार्गदर्शन और परिकल्पना

यह सम्पूर्ण यात्रा पूज्य राजपुरोहित मधुर के आशीर्वाद एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई, जिनकी प्रेरणा ने इस अभियान को आत्मबल प्रदान किया। इस दिव्य प्रकल्प की परिकल्पना श्रीमती ऋतंभरा भारद्वाज द्वारा की गई, जिसे आशीष, श्रीमती एकता एवं ब्लू नेक होटल प्रतिष्ठान के सहयोग से साकार किया गया। आयोजकों के अनुसार यह प्रथम पड़ाव केवल शुरुआत है। आगामी चरणों में विश्व के अन्य प्रमुख शिखरों पर सनातन धर्मध्वज स्थापित किया जाएगा।

बर्फबारी से गुलजार हुई पहाड़ों की रानी शिमला

सफेद चादर में लिपटी वादियों ने मोहा मन, सैलानियों में जबरदस्त उत्साह

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

शिमला। पहाड़ों की रानी शिमला में हुई ताज़ा बर्फबारी ने पूरे शहर की तस्वीर बदल दी है। ऊँची चोटियों से लेकर शहर की सड़कों तक बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है, जिससे शिमला का नज़ारा किसी स्वप्नलोक जैसा प्रतीत हो रहा है। बर्फबारी के बाद शिमला और आसपास के पर्यटन स्थलों पर सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है।

➪ **होटल, टैक्सी और पर्यटन कारोबार को मिला फायदा**

रिज मैदान, मॉल रोड, कुफरी और नारकंडा जैसे इलाकों में पर्यटक बर्फ का जमकर आनंद लेते नजर आए। बच्चे बर्फ में खेलते दिखे, वहीं युवा वर्ग फोटो और वीडियो बनाकर यादगार पलों को कैमरे में कैद करता नजर आया। बर्फ से ढकी वादियों ने सैलानियों का दिल जीत लिया है।

पर्यटन कारोबार को मिला फायदा

बर्फबारी से पर्यटन से जुड़े व्यवसायों में भी रौनक लौट आई है। होटल कारोबारियों के अनुसार एडवांस बुकिंग में बढ़ोतरी हुई है, जबकि टैक्सी और स्थानीय गाइडों की मांग भी बढ़ गई है। लंबे समय बाद हुई अच्छी बर्फबारी से स्थानीय व्यापारियों में खुशी का माहौल है।

आगे और बर्फबारी की संभावना

मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है तथा ऊंचाई वाले इलाकों में फिर से बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। प्रशासन ने सैलानियों से सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। कुल मिलाकर, बर्फबारी ने एक बार फिर शिमला की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए हैं और पहाड़ों की रानी सैलानियों की चहल-पहल से गुलजार हो उठी है।

12 वर्षीय बेटे की 911 कॉल से खुला राज, जंगल से गिरफ्तार हुआ आरोपी

अमेरिका में भारतीय मूल के शख्स ने की पत्नी समेत चार लोगों की गोली मारकर हत्या

स्वराज इंडिया न्यूज़ डेस्क

नई दिल्ली। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद के बाद अपनी पत्नी सहित चार लोगों की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। इस सनसनीखेज सामूहिक हत्याकांड ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 51 वर्षीय विजय कुमार के रूप में हुई है, जिसे घटना के कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। यह वारदात शुक्रवार तड़के करीब 2:30 बजे जॉर्जिया के ब्रुक आइवी कोर्ट इलाके में स्थित एक आवासीय घर में हुई। पुलिस को गोलीबारी की सूचना मिलते ही जब अधिकारी मौके पर पहुंचे, तो घर के अंदर चार लोगों के शव पड़े मिले। सभी के शरीर पर गोलियों के कई निशान थे।

मृतकों की पहचान मीमु डोगरा (43) आरोपी की पत्नी, गौरव कुमार (33), निधि चंदर (37), हरिश चंदर (38) के रूप में की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वारदात से पहले विजय कुमार और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस हुई थी, जो देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई।

➪ **घरेलू विवाद ने लिया खौफनाक रूप, तीन बच्चों ने अलमारी में छिपकर बचाई जान**

जंगल से हुई आरोपी की गिरफ्तारी

हत्या के बाद विजय कुमार मौके से फरार हो गया था, हालांकि उसका वाहन घर के ड्राइववे में ही खड़ा मिला। पुलिस ने के-9 यूनिट और ड्रोन की मदद से सघन तलाशी अभियान चलाया। कई घंटों की मशक्कत के बाद आरोपी को पास के जंगलनुमा इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया।

भारतीय दूतावास ने जताया शोक

इस दर्दनाक घटना पर अटलांटा स्थित भारतीय दूतावास ने गहरा शोक व्यक्त किया है। दूतावास ने बयान जारी कर कहा है कि वह पीड़ित परिवार के संपर्क में है और उन्हें हरसंभव कानूनी व कांसुलर सहायता प्रदान की जाएगी। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विवाद की असली वजह क्या थी। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

अलमारी में छिपकर बची मासूम जिंदगियां

घटना के वक्त घर में मौजूद तीन मासूम बच्चों ने सूझबूझ दिखाते हुए अलमारी में छिपकर अपनी जान बचाई। इनमें आरोपी का 12 वर्षीय बेटा भी शामिल था, जिसने साहस और समझदारी दिखाते हुए खुद 911 पर कॉल कर पुलिस को पूरी जानकारी दी। इसी कॉल की बदौलत पुलिस समय रहते घटनास्थल तक पहुंच सकी। पुलिस ने बताया कि बच्चों को किसी प्रकार की शारीरिक चोट नहीं आई है और फिलहाल उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों की देखरेख में सौंप दिया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com